# यू0एस0आर0इन्दु समिति बसई रामनगर (नैनीताल) उत्तरॉचल

## इतिहास एवं प्रगति आख्या (1998 से 2012 )

कुमाऊँ व गढ़वाल के प्रवेश द्वार कार्बेट सिटी रामनगर के ग्रामीण क्षेत्र ग्राम बसई, पीरूमदारा जो कि रामनगर (नैनीताल) से लगभग 10 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है, सन् 1998 में यू0 एस0आर0इन्दु समिति बसई रामनगर (नैनीताल) उत्तरॉचल की स्थापना विकलांग शिक्षा व ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार के उद्देश्य से की गयी थी तथा इसके अतिरिक्त समाज कल्याण के क्षेत्र में विविध कल्याण कारी कार्यक्रमों का आयोजन कर जनसमुदाय को लाभान्वित करना समिति का मुख्य उद्देश्य है। उपरोक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये समिति द्वारा विकलांग शिक्षा के विस्तार करने व विकलांगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने तथा रोजगारोन्मुख शिक्षा के लिये सन् 1998 में एक विकलांग विद्यालय की स्थापना संस्था प्रबन्धक श्री सन्दीप रावत (आडियोलोजिस्ट एवं स्पीच लेग्वेजथरेपिस्ट) के दिशा निर्देशन में की गयी।

इसी क्रम में संस्था द्वारा प्रारम्भ से वर्तमान तक कार्यों का विवरण निम्न है।

☞ संस्था के मूक बधिर बच्चों द्वारा 15 अगस्त 1999 में एक रंगारंग कार्यक्रम में श्री योगेश्वर प्रसाद देवरानी पूर्व संयुक्त शिक्षा निदेशक इलाहाबाद (उ0प्र0) – द्वारा विद्यालय भवन का उद्घाटन किया गया।

**विद्यालय का उदघाटन करते संयुक्त शिक्षा निदेशक इलाहाबाद एवं कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे**

☞ 15 सितम्बर 1999 में विकलांग बच्चों के उत्थान हेतु संस्था द्वारा ब्लॉक स्तर पर जागरूकता रैली निकाल कर बच्चों ने एक रंगारंग कार्यक्रम पर्वतीय सांस्कृतिक मंच रामनगर में आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने संस्था के कार्यों को देखते हुये संस्था प्रबन्धक को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

**विकलांगता जागरुक रैली निकालते बच्चे एवं नृत्य करती मूक बधिर बालिका**

विकलांग शिक्षा के साथ–2 ग्रामीण क्षेत्र मे शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुये संस्था ने एक सामान्य विद्यालय की भी स्थापना 1999 में की गयी। जिसका उद्घाटन श्रीमती कृष्णा लटवाल (ब्लॉक प्रमुख रामनगर) एवं श्री शिवराज सिंह रावत (क्षेत्र पंचायत सदस्य) द्वारा किया गया तथा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिये अध्यापकों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी नैनीताल के द्वारा अध्यापकों की नियुक्ति की गयी।

**समेकित विद्यालय का उदघाटन करती ब्लाक प्रमुख श्रीमती कृष्णा लटवाल**

अक्टूबर 2000 में समिति द्वारा संचालित विद्यालय का निरीक्षण श्री मुकुल सती बेसिक शिक्षा अधिकारी नैनीताल, श्री बंशीधर पन्त (क्मै) नैनीताल एवं श्री चन्द्र सिंह ग्वाल संयुक्त शिक्षा निदेशक नैनीताल आदि अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया तथा मूक बधिर बच्चों का संस्था द्वारा दिये जा रहे शिक्षण के लिये संस्था की सराहना की।

☞ 13 अगस्त 2001 को मूक बधिर छात्रों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय प्रांगण में श्री पवनेश कुमार गंगवार ैक्ड रामनगर) ने वृक्ष लगाकर किया। इस अवसर पर बच्चों द्वार आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों व संस्था के विविध प्रयासों की सराहना ैक्ड महोदय ने की।

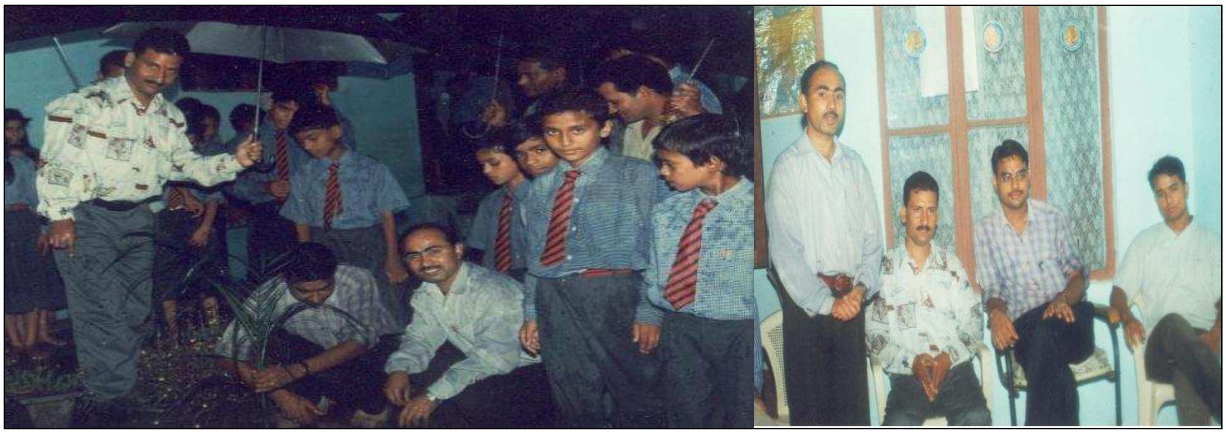

**विकलांग बच्चों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में एस0डी0एम0 रामनगर**

☞ जनवरी 2002 में विद्यालय में बेहतर प्रशासन को देखते हुये विकलांग बच्चों की संख्या बढ़कर 52 हो गयी। तथा श्री षष्टी दत्त जोशी तत्कालीन बेसिक शिक्षा अधिकारी नैनीताल द्वारा संस्था का अवलोकन किया तथा संस्था के प्रयासों

की सराहना करते हुये अपने स्तर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया तथा विकलांगों के सुव्यवस्थित कक्षा शिक्षण पद्धति की सराहना की।

**विकलांग बच्चों को खेल खेल में अध्ययन कराती अध्यापिकाऐं**

☞ सितम्बर 02 में श्री तीरथ सिंह रावत (भा0 शिक्षा मंत्री उत्तरॉचल सरकार) द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया तथा संस्था द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्य को देखते हुये संस्था को शासन स्तर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

☞ वन्य जीव सप्ताह 2002 में विकलांग छात्रों ने रैली निकालकर वन्य जीवों के प्रति स्नेह का संदेश जन–जन

**वन्यजीव सप्ताह में जागरुकता रैली व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विकलांग बच्चें**

तक पहुँचाया।तथा 03 दिसम्बर 02 को विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में बसई रामनगर में एक जनजागरण रैली का आयोजन किया गया जिसमें सम्पूर्ण सम्मिलित बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया।

☞ मार्च 2002 में विधायक मा0 योगम्बर सिंह रावत द्वारा वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री शिवराज सिंह रावत ब्लॉक प्रमुख रामनगर ने अध्यक्ष पद के रूप में वार्षिकोत्सव में बच्चों का कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुये समिति को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा बच्चों को पुरस्कार वितरित किये।

**विद्यालय वार्षिकोत्सव पर बच्चों को पुरुस्कृत करते विधायक श्री योगम्बर सिंह रावत**

☞ संस्था द्वारा नैनीताल जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय सफलता के बाद अपने उद्देश्यानुरूप अपने कदम उत्तरॉचल के वन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाये जिसके तहत संस्था द्वारा एक क्षेत्रीय कार्यालय अल्मोड़ा जनपद के ताड़ीखेत ब्लॉक में खोला गया जिसके माध्यम से अल्मोड़ा जनपद में भी समिति के कार्यों को विस्तार करने की योजना बनाई गयी तथा दोनों जिलों में संस्था द्वारा समय–समय पर –

**संस्था द्वारा विभिन्न क्षेत्रों मे आयोजित जागरुकता रैलियां व शिविरो मे जनसमूह एवं प्रतिनिधि**

विकलांगों हेतु जनजागरूकता, क्षमता संवर्द्धन, कौशल विकास एवं उपकरण व प्रमाण पत्र वितरण हेतु समाज कल्याण विभाग देहरादून, अल्मोड़ा तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारियों आदि संस्थानों के सहयोग से शिविरों का आयोजन किया गया।

☞ अप्रैल माह में संस्था द्वारा शिक्षा की पहुँच घर–घर तक पहुँचाने के उद्देश्य से नैनीताल जनपद के रामनगर ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र विशेषतया वनग्रामों, जनजातीय बहुल क्षेत्रों नदी नालों आदि का गहन सर्वेक्षण करने के उपरान्त उसकी सुझाव सहित एक विस्तृत रिर्पोट जनपद स्तर के अधिकारियों के सत्यापन के बाद राज्य परियोजना निदेशालय देहरादून को प्रेषित की जिस पर निदेशालय द्वारा तुरन्त कार्यवाही कर 15 दिसम्बर 2002 को संस्था को 09 म्ळै केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ कर दिया गया।

**संस्था द्वारा सर्वशिक्षा अभियान के तहत संचालित केन्द्रो का उदघाटन करते अध्यक्ष वन विकास निगम श्री योगम्बर सिंह रावत एवं ब्लॉक प्रमुख श्री शिवराज सिंह रावत**

☞ 29 नवम्बर 2003 को विभाग द्वारा पूर्व संचालित केन्द्रों के सफल संचालन को देखते हुये संस्था को संस्था प्रोजेक्टानुसार 10 अपर ई0जी0ए0, 4 ए0आई0ई0 एवमृ 4 ई0जी0एस0 केन्द्रों के संचालन का जिम्मा पुनः सौंपा गया। और संस्था द्वारा इस पर तुरन्त कार्यवाही कर अनुदेशकों के चयन के उपरान्त सभी केन्द्र/शिविर प्रारम्भ कर दिये गये और अनुदेशकों की संख्या बढ़कर 45 होने के कारण संस्था द्वारा भीमताल के दिशा निर्देशन मे सभी अनुदेशकों का प्रशिक्षत संस्था कार्यालय पर ही सम्पन्न कराया।

**भीमताल डायट द्वारा निर्देशित व संस्था द्वारा संचालित अनुदेशक प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन करते क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि एवं अपर जिला शिक्षा अधिकारी डा0जीवंती बिष्ट**

☞ जनवरी 2003 में जापान की संस्था जेट्रो सोसाइटी ओसाका की प्रतिनिधि यूइनो टोनाका द्वारा भारत दौरे के दौरान संस्था को भ्रमण किया तथा दो दिन बच्चों के साथ रहकर उनके बारे में जानने की कोशिश की तथा संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना कर उन्हें बच्चों हेतु उक्त संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना कर उन्हें बच्चों हेतु संस्था के द्वारा सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया।

**विकलांग बच्चों के मध्य जापान की जेटरो ओसाका सोसायटी की प्रतिनिधि यूईनो टोमोका**

☞ फरवरी 2005 में सस्था द्वारा संचालित शिविरों का आकस्मिक दौरा श्रीमती राधा रतूडी (सचिव शिक्षा उत्तरॉचल शासन) द्वारा किया गया उन्होंने दौरे के बाद अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) नैनीताल के माध्यम से लिखित पत्र में संस्था के आदर्श शिविर के संचालन हेतु सराहना की।

☞ फरवरी 2005 को संस्था शैक्षिक गतिविधियों व सामाजिक कार्यों हेतु प्रयासों के मध्यनजर माननीय मुख्यमंत्री उत्तरॉचल द्वारा संस्था को भवन निर्माण हेतु रू0 सात लाख की धनराशि उपलब्ध करायी तथा निकट भविष्य में संस्था को आवश्यक सहयोग का आश्वासन प्रदान किया तथा सांसद के0सी0सिह बाबा द्वारा वार्षिकोत्सव पर अपनी ओर से हर संभव मदद का आश्वासन संस्था के कार्यों को देखते हुये दिया।

**विद्यालय वार्षिकोत्सव 2004–05 के अवसर पर बच्चो को संबोधित करते सांसद नैनीताल माननीय के0सी0सिंह बाबा व उपस्थित जन प्रतिनिधि**

☞ अप्रैल 2005 में कार्बेट फाउण्डेशन टाइगर प्रोजेक्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सांस्कृतिक कार्यक्रमों व वन्य जीव संरक्षण प्रतियोगिताओं हेतु प्रथम पुरस्कार 'कार्बेट फाउण्डेशन पुरस्कार' हेतु चुना गया। तथा कार्यक्रम में सम्मिलित बच्चों के त्रिदिवसीय भ्रमण में राष्ट्रीय कलाकार ओमपुरी के हाथों बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा उनके साथ भ्रमण किया।

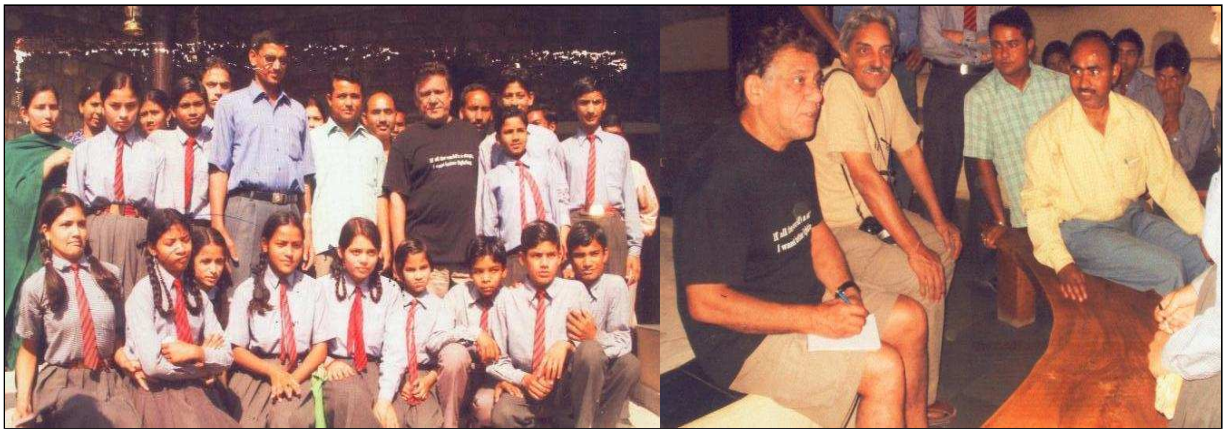

**कार्बेट फाउण्डेशन पुरुष्कार के लिये चयनित बच्चे व उनके साथ वार्तालाप करते राष्ट्रीय कलाकार ओम पुरी एवं डब्लू0 डब्लू0 एफ0 के निर्देशक श्री सहगल**

☞ संस्था ने मई 2005 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत दाबका व कोसी नदियों में आने वाले खनन मजदूरों के बच्चों हेतु संचालित वैकल्पिक व नवाचारों अभिनव शिविरां में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) डा0 जीवन्ती बिष्ट एवं अधिकारियों के द्वारा वस्त्र वितरित कराये।

**बजरी खनन क्षेत्रों मे संस्था द्वारा संचालित ए0आई0ई0 शिविरों में कपडे वितरित करती डा0 जीवंती बिष्ट (अपर जिला शिक्षा अधिकारी नैनीताल)**

☞ जुलाई 2005 से विभाग द्वारा पूर्व संचालित केन्द्रों के सफल संचालन को देखते हुए संस्था को प्रोजेक्टानुसार 08 मदरसें ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में संचालित करने की अनुमति प्रदान की। जिस पर संस्था द्वारा नियोजित कार्यक्रमानुसार पुनः इन मदरसों का सर्वे कराकर तथा बच्चों की संख्या अनुसार अनुदेशक नियुक्त कर इन केन्द्रो का संचालन प्रारम्भ किया।

मदरसों में पूर्व मे केवल दीनी–तालिम ही दी जाती थी संस्था ने अपने उद्देश्यानुसार इन मदरसों की भी आधुनिक शिक्षा के जोड़े जाने का प्रस्ताव सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ नैनीताल को दिया था। वर्तमान में संस्था द्वारा संचालित इन 08 मदरसों मे कुल 497 बच्चों को 16 अनुदेशकों के माध्यम से आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा रहा है।

## मदरसों के प्रारम्भ होने के बाद केन्द्रों में शैक्षिक गतिविधियों से सम्बन्धित फोटोग्राफ्स

☞ अगस्त 2005 में संस्था द्वारा संचालित सभी शिक्षा गारन्टी केन्द्रों (प्राथमिक/उच्च प्राथमिक) एवं मदरसा केन्द्रो मे निःशुल्क पुस्तकों का वितरण किया। साथ ही साथ संस्था ने महसूस किया कि वितरित पुस्तकों के अतिरिक्त एक ऐसी पुस्तक लाई जाये जो सभी मूलभूत शैक्षिक आवश्यकताओ की पूर्ति करती हो। इस उद्देश्य के साथ संस्था ने स्वयं अपनी एक पुस्तक प्रकाशित की और सभी केन्द्रो पर इस पुस्तक का वितरण किया।

☞ अक्टूबर माह में कार्बेट फाउण्डेशन, जिम कार्बेट रामनगर एवं World Wild Foundation द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओ मे विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया तत्पश्चात् विद्यालय की सांस्कृतिक, फेस पेन्टिंग व कला प्रतियोगियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु चयन किया। जिसमें दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिताओं मे भी बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए उत्तरांचल राज्य का नाम रोशन किया।

☞ नवम्बर 2005 मे सृजन संस्था द्वारा रामनगर ब्लॉक स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता मे विद्यालय के छात्र/छात्राओं ने जूनियर/सीनियर वर्ग मे क्रमशः द्वितीय/प्रथम स्थान प्राप्त किया।

☞ नम्वबर 2005 मे संस्था द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी देश के विभिन्न राज्यों से खनन हेतु दाबका एवं कोसी मे आने वाले खनन मजदूरों के बच्चों हेतु शिविरों का संचालन प्रारम्भ किया।

जिसमे कुल 1349 बच्चों को संस्था द्वारा चिन्हित कर 30 अनुदेशक/अनुदेशिकाओं की सहायता से शिक्षा की मूल धारा से जोड़ने का प्रयास प्रारम्भ किया।

शिविरो के संचालन से पूर्व संस्था द्वारा सभी केन्दों पर झोपड़ी की व्यवस्था व अन्य सभी व्यवस्थाऐं की गयी तत्पश्चात बच्चों को आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध करा शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया।

**ए0आई0ई0 शिविरों के प्रारम्भ के उपरान्त शिविरों में विभिन्न गतिविधियों से सम्बन्धित फोटोग्राफ्स**

☞ 14 नम्बर 2005 को सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ नैनीताल एवं संस्था के संयुक्त तत्वाधान में एक जिला स्तरीय विकलांग बच्चों हेतु प्रमाण–पत्र, उपकरण वितरण एवं क्षमता सम्वर्द्धन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एलिमको कानपुर एवं जिला स्वास्थ्य विभाग नैनीताल द्वारा 178 बच्चों का परीक्षण व उपकरण व प्रमाण–पत्र वितरित किये बतौर मुख्य अतिथि समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्षा डॉ0 घनेश्वरी लिल्डियाल ने इस तरह के आयोजनो के लिए संस्था की भूरि–भूरि प्रशंसा की और भविष्य मे अपनी ओर से हर संभव सहयोग का आश्वास दिया।

**सर्व शिक्षा अभियान के तहत रामनगर में लगाये गये विकलांग शिविर से सम्बन्धित फोटोग्राफ्स**

☞ 24 जनवरी 2006 से 15 दिवसीय अनुदेशक प्रशिक्षण शिविर संस्था द्वारा डायट भीमताल के निर्देशन में अपने प्रशिक्षण संस्थान मे ही सम्पन्न कराया इस शिविर में संस्था के अनुदेशको के अतिरिक्त, स्वर्णिम वेलफैयर संस्था व विभागीय अनुदेशकों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी भी सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ नैनीताल ने विगत वर्षो के सफल प्रशिक्षण कार्यक्रमो के संचालन को देखते हुए संस्था को दी इसमे कुल 95 अनुदेशक/अनुदेशिकाओं ने मास्टर ट्रेनरों की देखरेख मे गुणात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समय–समय पर प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण डायट प्राचार्य डॉ0 त्रिलोचन, शिक्षा अधिकारी डॉ0 डी.के.मथेला, अपर जिला शिक्षा अधिकारी नैनीताल, डॉ0 जीवन्ती बिष्ट एवं समन्वयक प्रशिक्षक श्री रमेशचन्द्र पंचौरी के अतिरिक्त क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने किया।

**संस्था द्वारा संचालित एवं डायट भीमताल द्वारा निर्देशित अनुदेशक प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह में बोलती हुई डॉ0 जीवन्ती बिष्ट ;अपर जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीतालद्ध एवं समापन समारोह में उपस्थित योगम्बर सिंह रावत, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि, अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अनुदेशक एवं अनुदेशिकाऐं।**

☞ संस्था के अथक प्रयासों के बाद अन्ततः सभी शिक्षा गारन्टी केन्द्रों/शिविरों/मदरसों में बच्चो को माध्याहन भोजन प्रदान कराने मे सफलता मिली। इससे पूर्व इन केन्द्रों पर विभाग द्वारा मिड–डे मिल योजना लागू न करना संस्था के लिए एक चुनौती बना था क्योंकि वास्तव में मिड डे मील की आवश्यकता इन्हीं बच्चों को थी। और इसके बाद इस योजना का लाभ समस्त उत्तरांचल के शि0 गा0 केन्द्रों मे पढ़ रहे बच्चो को प्राप्त हुआ। सर्वप्रथम संस्था द्वारा मिड–डे मील योजना का लाभ दाबका खनन श्रमिकों के बच्चो को दिया गया। जिसका शुभारम्भ उप खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर श्री मोहन सिंह सयाना द्वारा किया गया। तत्पश्चात एक सप्ताह के भीतर संस्था द्वारा संचालित सभी केन्द्रों को इस योजना से जोड़ दिया गया।

**विभिन्न केन्द्रों/शिविरों में बच्चों को मध्याह्न भोजन कराते अनुदेशक**

☞ संस्था द्वारा अपने उद्देश्य पर कार्य करते हुए जिला नैनीताल के विकलांग बच्चों की शिक्षा व्यवस्था, कौशल विकास एवं क्षमता संर्वद्धन हेतु सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ, नैनीताल को त्रैमासिक विकलांग शिविर हेतु एक प्रोजेक्ट प्रेषित किया जिस पर अपर जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलाधिकारी नैनीताल ने विशेष सहानुभूति दिखाकर इस प्रोजेक्ट को तुरन्त प्रारम्भ करने की अनुमति संस्था को दी। संस्था ने त्वरित कार्यवाही करते हुए फरवरी से शिविर प्रारम्भ कर दिया गया। जिसका शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी, रामनगर, श्री सुरेश चन्द्र टम्टा जी द्वारा 54 बच्चो को स्कूल ड्रेस, बैग, कापी–किताबों सहित सभी आवश्यक सामग्री का वितरण कर किया। शिविर मे भोजन, आवास आदि की सभी व्यवस्थायें निःशुल्क प्रदान की गयी।

संस्था ने प्रोजेक्ट के अतिरिक्त बच्चो के लगन व उत्साह को देखते हुए योगा, संगीत व व्यवसायिक प्रशिक्षण इन बच्चो को दिया। जिसमे इन बच्चों को टोकरी बनाना, कागज के फूल, मोमबत्ती, कड़ाई, सिलाई आदि व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर इन्हें आत्मनिर्भर बनाने की एक सकारात्मक पहल संस्था ने की।

**त्रैमासिक आवासीय विकलांग शिविर का शुभारम्भ, व्यवस्था का निरीक्षण एवं आवश्यक सामग्री वितरित करते खण्ड शिक्षा अधिकारी, रामनगर।**

☞ संस्था ने विगत वर्षो की कोशिश के बाद अलीयावर जंग राष्ट्रीय श्रवण विकलांग संस्थान, मुम्बई (महाराष्ट्र) के सहयोग से त्रैमासिक विकलांग शिविर में एक तीन दिवसीय जिला स्तरीय शिविर लगाया, जिससे संस्थान के डॉक्टरों की टीम ने रोगियो का गहन परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क श्रवण यंत्रो का वितरण किया तथा साथ ही साथ इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला में कानों को सुरक्षित रखने व देखभाल के तरीकों पर विस्तृत जानकारी जनसमूह को दी शिविर के अन्तिम दिन डॉ0 डी.के.जोशी उपाध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड, उत्तरांचल सरकार ने भी विकलांग जनो को अपनी ओर से भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा शिविर संचालन पर सन्तोष व्यक्त किया

**संस्था द्वारा संचालित एवं अली यावर जंग राष्ट्रीय श्रवण विकलांग संस्थान, मुम्बई द्वारा निर्देशित विकलांग शिविर में जिले के विकलांगजनों का परीक्षण एवं निःशुल्क उपकरण वितरण समारोह से सम्बन्धित फोटो**

☞ 28 फरवरी 2006 को मा0 शिक्षा मंत्री उत्तरांचल सरकार ने त्रैमासिक विकलांग शिविर का निरीक्षण किया तथा बच्चों द्वारा बनाई गई वस्तुओं का अवलोकन कर बच्चों को प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ0 डी.के. मथेला, अपर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ0 जीवन्ती बिष्ट, उपजिलाधिकारी रामनगर एवं उप खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर मौजूद थे। सभी ने संस्था द्वारा संचालित विकलांग शिविर की सराहना की। मा0 शिक्षा मंत्री महोदय ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए संस्था को अपनी ओर से हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

**त्रैमासिक विकलांग शिविर का निरीक्षण, बच्चो द्वारा तैयार सामग्री का अवलोकन करते मा0 नरेन्द्र सिंह भण्डारी, शिक्षामत्री उत्तरांचल सरकार एवं अधिकारी वर्ग**

☞ शिविर में अध्ययनरत बच्चों द्वारा दिनांक 03–03–2006 को जिला स्तरीय प्रति0 में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह प्रतियोगिता समस्त जिले के विकलांग बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी थी। इसके उपरान्त सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ, नैनीताल द्वारा इन बच्चों को आवश्यक सामग्री वितरित कर देहरादून मे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया जहाँ पर बच्चों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओ में अधिकतम अंक प्राप्त कर जिले को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान दिलाया।

प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपर शिक्षा निदेशक पुष्पा मानस ने बच्चों को पुरूस्कृत करते हुए उनके क्रिया–कलापों की सराहना की।

**राज्यस्तरीय विकलांग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे।**

☞ संस्था द्वारा संचालित सभी 39 शिक्षण केन्द्रों पर 2629 बच्चों को इस वर्ष स्कूल ड्रेस व बैग विभिन्न क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से वितरित कराये गये।

**ए0आई0ई0 शिविर दाबका प्रथम में बच्चों को स्कूल ड्रेस एवं बैग वितरित करते डॉ0 निशान्त पपनै, सलाहकार चाय विकास बोर्ड, रामनगर**

**संस्था द्वारा संचालित केन्द्रों में ड्रेस, बैग एवं खेल सामग्री वितरित करते क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि।**

☞12 मई 2006 को विद्यालय ने अपना वार्षिकोत्सव मनाया इस अवसर पर विद्यालय में मुख्यमंत्री, विधायक निधि से निर्मित कक्षा–कक्षों का लोकार्पण मा0 योगम्बर सिंह रावत, अध्यक्ष, वन विकास निगम, उत्तरांचल द्वारा किया गया इस अवसर पर श्री शिवराज सिंह रावत, ब्लॉक प्रमुख रामनगर, नरेश कालिया, सांसद प्रतिनिधि, डॉ0 निशान्त पपनै, सलाहकार चाय विकास बोर्ड, उत्तरांचल मौजूद थे।

**विद्यालय के वार्षिकोत्सव में दीप प्रजव्वलित, विधायक निधि द्वारा निर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण एवं सम्बोधित करते मा0 योगम्बर सिंह रावत ;मुख्यमंत्री प्रतिनिधिद्ध तथा सम्बोधित करते चाय विकास बोर्ड के सलाहकार डॉ0 निशान्त पपनै, ब्लाक प्रमुख रामनगर श्री शिवराज सिंह रावत, खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर श्री सुरेश चन्द्र टम्टा।**

उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं योगा कार्यक्रम पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही साथ विकलांग शिविर का समापन भी किया गया, जिसमें विकलांग बच्चों ने दिलकश सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण दी, और सभी अतिथियों ने विकलांग बच्चो द्वारा लगायी गयी व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदर्शनी पर आश्चर्य व्यक्त किया।

विद्यालय वार्षिकोत्सव एवं विकलांग शिविर के समापन समारोह में विकलांग बच्चों द्वारा व्यवसायिक प्रशिक्षण के दौरान निर्मित सामग्री का स्टाल एवं विभिन्न क्रियाकलाप करते बच्चे तथा जन समुदाय।

☞ संस्था की एक बड़ी उपलब्धि 19 मई 2006 को शासन से हाईस्कूल की मान्यता मिलना था। विगत कई वर्ष से विद्यालय हाईस्कूल स्तरीय मान्यता हेतु प्रयासरत था।

☞ संस्था द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के विगत के कार्यो के संचालन को देखते हुए जिलाधिकारी नैनीताल द्वारा अपने विशेष प्रयासो से निर्देशित एवं संकलित 'मुस्कान प्रोजेक्ट' जो गौलानदी के खनन श्रमिक मजदूरो के बच्चों हेतु संचालित था को अपर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शैक्षिक व्यवस्था की संचालित करने का जिम्मा संस्था को सौंपा। जिसका संस्था द्वारा कोसी एवं दाबका नदियो पर संचालित ए. आई.ई. अभिनव शिविरों के अनुभव के आधार पर मुस्कान प्रोजेक्ट का सफल संचालन कर अपनी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से निभाई।

संस्था ने वर्ष भर सर्व शिक्षा अभियान की ओर से मुस्कान प्रोजेक्ट को संचालित किया यहां पर समस्त संचालित शैक्षिक क्रिया–कलापों का संचालन संस्था ने किया। मुस्कान प्रोजेक्ट समापन समारोह मे मुख्य अतिथि श्रीमती अनामिका कुमार पत्नी डॉ0 राकेश कुमार, जिलाधिकारी, नैनीताल थी। उन्होंने अल्प समय मे ही बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों के साथ–साथ स्वच्छ आचार–विचारों की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल, श्रीमती निधिमणि त्रिपाठी भी मौजूद थी। उन्होंने इस अभिनव प्रयास को सफल बनाने हेतु सभी को धन्यवाद दिया। तथा इन श्रमिकों के बच्चों के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही शैक्षिक के साथ स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का अवलोकन मुख्य अतिथि महोदया, एवं मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल द्वारा की गयी। तथा शिविर के समापन की घोषण की गयी।

मुस्कान प्रोजेक्ट गोला में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करती श्रीमती अनामिका कुमार एवं निधिमणी त्रिपाठी मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल।

☞ संस्था द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के तहत संचालित त्रैमासिक आवासीय विकलांग शिविर का समापन संस्था के मुख्य कार्यालय स्थल पर हुआ, जहां इन नन्हे बच्चों ने सभी की वाह–वाही लूटकर विकलांग होते हुए भी अपनी जीवन में कैसे नई आस जगाई जाती है का संदेश फैलाया। तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व संस्था प्रबन्धकारिणी के सदस्यों द्वारा बच्चों को पुरूस्कार व प्रमाण पत्र वितरित कर कैम्प का समापन किया।

☞ संस्था द्वारा संचालित यू. एस आर. इन्दु हाईस्कूल को अप्रैल 2007 से सरकार द्वारा जूनियर स्तर हेतु अनुदान सूचि में सम्मिलित किया गया। जो कि विगत सन् 2000 से निजि स्त्रोतो से संचालित हो रहा था। अतः अनुदान प्राप्त होने से संस्था का विगत सात सालो से प्रयास सफल हुआ।

☞ श्रम विभाग हल्द्वानी द्वारा संस्था को बालश्रमिकों के सर्वेक्षण हेतु जनपद उधमसिंह नगर के रूद्रपुर शहर का जिम्मा सौंपा गया। जिसका कार्य संस्था द्वारा बखुबी निभाकर कुल 128 बालश्रमिकों को चिन्हित कर उक्त रिर्पोट की सम्पूर्ण सी. डी. सहित प्रगति श्रम विभाग को सौंपी। इस पर श्रम निदेशालय के निदेशक श्री डी. लाल जी द्वारा इस हेतु संस्था के कार्यो की प्रशंसा की तथा भविष्य में इन बालश्रमिकों के सर्वेक्षण में किये कार्यो के आधार पर इन बालश्रमिकों के पुनर्वास के लिए अन्य दायित्व सौंपने की बात भी कही तथा उक्त चिन्हित बालश्रमिकों के स्वामियों पर कार्यवाही भी की।

☞ माह सितम्बर में संस्था द्वारा डी. डी. आर. सी. हेतु प्रस्ताव नैनीताल जनपद के लिए प्रेषित किया। तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा भी संस्था के विकलांग क्षेत्र में किये गये कार्यो को देखते हुए इस प्रस्ताव को शासन को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया।

☞ अक्टूबर माह में संस्था द्वारा बाल श्रमिकों के बच्चो हेतु रामनगर में कोसी तथा दाबका नदियों में आने वाले गरीब मजदूरो के बच्चो की शिक्षा व्यवस्था हेतु वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ किया।

इन केन्द्र में मार्च तक बीच–बीच में बच्चो को ड्रेस, सफाई सामग्री, शैक्षिक सामग्री आदि वितरित कर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व विभागीय अधिकारियों द्वारा बच्चो को शिक्षा की मूल धारा से जोड़ने का प्रयास किया तथा सभी केन्द्रो में सभी बच्चो को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्देशित मध्याह्न भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई।

ए. आई. ई. केन्दो में शैक्षिक सामग्री वितरित करते खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर श्री सुरेश चन्द्र टम्टा जी एवं अन्य विभागीय अधिकारी व केन्द्र में मध्याह्न भोजन वितरित करते शिक्षा आचार्य एवं क्रियाकलाप करते बच्चे

☞ माह अक्टूबर में ही संस्था द्वारा पूर्व जिलाधिकारी नैनीताल डा. राकेश कुमार जी द्वारा निर्मित एवं निर्देशित गोला खन्न में आने वाले श्रमिकों के बच्चो की शिक्षा व्यवस्था हेतु प्रोजेक्ट मुस्कान के संचालन का जिम्मा विभाग द्वारा संस्था को दिया गया। जिस पर संस्था द्वारा भी तत्परता दिखाते हुए संस्था ने इन केन्द्रो में भी बच्चों को सभी

सुविधाऐं मुहैया कराते हुए विभागीय अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा बच्चो को सभी प्रकार की सहायता वितरित कर इस पुण्य कार्य को सफलता पूर्वक समाप्त किया। जिसमें मुख्य रूप से इन क्षेत्रो में सुविधा मुहैया कराने में सहयोग करने वालों में मुख्य तहत श्री गोविन्द सिंह बिष्ट जी (विधायक) धारी, नगर व जिला अध्यक्ष भाजपा, समन्वयक बी. आर. सी., सी. आर. सी. क्रमशः श्री शर्मा जी व श्री पडियार जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुस्कान केन्दो में शैक्षिक सामग्री वितरित करते माननीय विधायक धारी श्री गोविन्द सिंह बिष्ट जी एवं अन्य विभागीय अधिकारी व केन्द्र में क्रियाकलाप करते बच्चे

☞ अन्ततः संस्था द्वारा सम्पूर्ण सत्र में सम्पूर्ण सत्र में विद्यालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम पल्स पोलियों जागरूकता अभियान, कुष्ट निवारण वृक्षारोपण आदि सभी में अपना प्रतिनिधत्व कर ग्रामीण व अति पिछड़े क्षेत्रो में जागरूकता फैलाने में अपना पुनित उद्देश्य को पूर्ण किया।

इसी दौरान संस्था द्वारा संचालित हाईस्कूल बसई के बच्चों के द्वारा वन्य जीव संरक्षण पर कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा संचालित वन्य जीवों के संरक्षण हेतु जागरूकता में अपना पूर्ण योगदान दिया।

समय–समय पर समाज कल्याण विभाग, नैनीताल व रामनगर के दिशा–निर्देशन में संस्था द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त संस्था द्वारा वर्तमान में सर्व शिक्षा अभियान के तहत 13 ई0जी0एस0, 21 मदरसें, 2 ए0आई0ई0 केन्द्रों के तहत 10 अभिनव केन्द्र तथा 06 रात्रिकालीन केन्द्र नैनीताल जनपद में विभिन्न अति पिछड़े तथा मलिन बस्तियों में संचालित कर गरीब बच्चों की शिक्षण व्यवस्था का संचालन किया तथा संस्था वर्तमान में इन सबके साथ–साथ अपने संस्था कार्यालय पर ही नर्सरी से 10 वीं तक यू0 एस0 आर0 इन्दु हाईस्कूल का संचालन कर रही है। जिसमें वर्तमान में कुल 550 ग्रामीण बच्चें अध्ययनरत है।

रात्रिकालीन केन्द्र हल्द्वानी में बच्चो को ड्रेस वितरित करते नगर पालिका अध्यक्ष हल्द्वानी श्री हेमन्त बगड़्वाल जी एवं अन्य अधिकारी

इन सबके साथ ही साथ संस्था विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों से विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अति पिछड़े क्षेत्रों मे संचालित करने के लिए सम्पर्क बनाये हुए है। ताकि गरीब तबके को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। और संस्था का मानना है कि यदि इसी प्रकार जनता, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों आदि सभी का सहयोग इसी प्रकार प्राप्त होता रहे तो संस्था अवश्य ही अपने इस पवित्र उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल होगी।

☞ संस्था को इसी सत्र में जनपद – नैनीताल में जिला विकलांग पुर्नवास केन्द्र को संचालन करने की भी जिम्मेदारी न्याय एवं सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार दिल्ली द्वारा प्रदान की गयी। जिसके क्रम में संस्था द्वारा उक्त केन्द्र को प्रारम्भ करने के लिए जिला अधिकारी महोदय नैनीताल की अध्यक्षता में दिनांक 19.03.2009 एवं 21.03.2009 को डी0डी0आर0सी0 के लिए बनाई गई जिला प्रबन्धन टीम के सदस्यों जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी नैनीताल, जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि ने भाग लेकर उक्त केन्द्र को शीघ्र अतिशीघ्र प्रारम्भ करने की कवायत तेज की गई। तथा संस्था इसके संचालन के लिए प्रयासरत है। ताकि उक्त केन्द्र का शीघ्र अतिशीघ्र प्रारम्भ कर जिले के विकलांग जनों को लाभ पहुंचा सके।

जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र की प्रारम्भ से दिसम्बर 2011 तक की प्रगति आख्या अलग से 11 पेजों में तैयार कर संलग्न है।

माह अक्टूबर 2010 को गृह मंत्रालय द्वारा संस्था को एफ0सी0आर0ए0 रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र जारी किया। जिसके उपरान्त संस्था द्वारा बाहरी देशों की संस्थाओं से रामनगर क्षेत्र के एक प्राइमरी विद्यालय का निमार्ण कराते हुए अन्य समाजसेवा के कार्य सम्पादित किये।

**प्राथमिक विद्यालय ललितपुर का उदघाटन करते लंदन की संस्था लोटस फलावर ट्रस्ट के सी0ई0ओ0 जान हण्ट व अन्य**

इसी संस्था के माध्यम से संस्था द्वारा अक्टूबर 2011 से कालूसिद्ध में एक आवासीय विकलांग विद्यालय का प्रारम्भ किया गया जिसमें वर्तमान में 30 विकलांग बच्चे आवासीय रूप से अध्य्यन कर रहे हैं।

**यू0एस0आर0इन्दु आवासीय विकलांग विद्यालय का शुभआरम्भ करते जॉन हण्ट व संस्था प्रबन्धक एवं विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के किया कलाप**

राष्ट्रीय न्यास, भारत सरकार द्वारा आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम, बढ़ते कदम, का जनपद नैनीताल में आयोजन हेतु संस्था को चयनित करने पर संस्था द्वारा जिला नैनीताल के प्रसासनिक अधिकारियों व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से 8 मार्च 2011 को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन रामनगर नगर पालिका के मुख्य हाल में किया जिसमें जिले भर से मानसिक व अन्य विकलांग जनों को राज्य नोडल संस्था के प्रतिनिधियों ने विभिन्न तरीकों से राष्ट्रीय न्यास द्वारा मानसिक विकलांग जनों हेतु प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में बताया।

कार्यक्रम का शुभआरम्भ नगर पालिका अध्यक्ष मौ0हाजी अकरम दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में हल्द्वानी के नेश्नल ब्लाइण्ड विद्यालय व यू0एस0आर0 इण्टर कालेज के बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

**बढ़ते कदम कार्यक्रम से सम्बन्धित कुछ दृश्य**

साराशंतः संस्था द्वारा वर्तमान में शिक्षा के साथ–साथ विकलांग जनों के कल्याणयार्थ विभाग द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का संचालन, सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। तथा वृद्वो एवं पर्यावरण उत्थान के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट स्वीकृत हेतु संम्बन्धित विभागों को प्रेषित किये है। संस्था को पूर्ण विश्वास है कि यदि इसी प्रकार का सहयोग जन प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, तथा सहयोगी संस्थाओं द्वारा मिलता रहेगा तो संस्था अपने उद्देश्य को पूर्ण करने में सफल रहेगी।

**वर्तमान में संस्था सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र (डी0डी0आर0सी0) नैनीताल, बेस अस्पताल, हल्द्वानी में संचालित करने के साथ–साथ संस्था कार्यालय पर नर्सरी से इण्टर तक समेकित शिक्षा विद्यालय व एक आवासीय विकलांग विद्यालय का संचालन कर रही है।**